देने के लिए निम्नोक्त कुछ योजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं :—

(1) 50 प्रतिशत लागत पर शहतूती कलमों/पौधों की सप्लाई ।

(2) सीमान्त कृषकों को कीटपालन उपस्करों की निशुल्क सप्लाई ।

(3) यूजी फलाई नियन्त्रण के लिए 50 प्रतिशत लागत पर नायलोन जालों की सप्लाई ।

(4) द्विफसलीय रेशम कीटपालकों और रीलरों को प्रोत्साहन बोनस ।

(5) किसानों के अध्ययन दौरे की व्यवस्था करना ।

(6) रीलिंग में प्रशिक्षण ।

(7) मल्टी एण्ड रीलिंग यूनिटों की स्थापना के लिए रीलरों को सहायता देना ।

अखिल भारतीय हथकरघा उद्योग के लिए विशेष निधियां

3602. **श्रीमती कैलाशपति** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार अखिल भारतीय हथकरघा उद्योग के लिए विशेष निधियां आबंटित करने का विचार रखती है ;

(ख) यदि हां, तो नई प्रणाली को कब तक और किस प्रकार कार्यान्वित किया जाएगा ;

(ग) क्या विद्युतकरघा / हथकरघा उद्योग के विकास के लिए विशेष निधियां आबंटित करने का प्रस्ताव है ; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) हथकरघा क्षेत्र के विकास के लिए सरकार की कई प्लान और नॉन प्लान योजनाएं हैं । ऐसी योजनाओं इस क्षेत्र की आवश्यकता के आधार पर समय-समय पर संशोधन किया जाता है और नई योजनाएं अनुमोदित की जाती हैं । तदनुसार नई योजनाओं के लिए धनराशि आबटित की जाती है ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) और (घ) चालू "प्लान और नॉनप्लान" योजनाओं के लिए वर्ष 1992–93 के लिए बजट प्राकलन में निम्नलिखित राशि आबटित की गई है :—

(लाख रुपयों में)

हथकरघा	पावरलूम
25538.40	318

हथकरघा वस्तुओं का निर्यात

3603. **श्री अजीत जोग :**

श्रीमती कैलाशपति :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान और वर्ष 1992 में अब तक किन-किन देशों को हथकरघा वस्तुओं का निर्यात किया गया ;

(ख) क्या विदेश में भारतीय हथकरघा वस्तुओं की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए सरकार ने कोई योजना तैयार की है ; और

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) भारतीय हथकरघा माल का विश्व में सौ से अधिक देशों को निर्यात किया जा रहा है । वर्ष 1989–90, 1990–91 और 1991–92 के दौरान प्रमुख बाजारों को सूती हथकरघा फाब्रिक और प्रमुख बाजारों को सूती हथकरघा फैब्रिक और मेड-अप्स के निर्यात के आंकड़े दर्शाने वाला विवरण संलग्न है । (**देखिये** परिशिष्ट 164 अनुपल सं० 58)

(ख) और (ग) सरकार ने हथकरघा वस्तुओं के निर्यात को बढ़ाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं जैसे बिक्री-सह-अध्ययन दलों को प्रायोजित करना, प्रमुख बाजारों में मेलों में भाग लेना, विदेश व्यापार पत्रिकाओं में विज्ञापन प्रकाशित